भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर (2024-25)

कक्षा- 9	विभाग- हिन्दी	Date – NA
प्रश्न बैंक	दोहे - रहीम	Note: Pl. file in portfolio

प्रश्न -1. प्रेम का धागा टूटने पर पहले की भाँति क्यों नहीं हो पाता?

उत्तर : - प्रेम आपसी लगाव और विश्वास के कारण होता है । यदि एक बार भी किसी कारणवश इसमें दरार आती है तो प्रेम फिर पहले जैसा नहीं रहता है । जिस प्रकार धागा टूटने पर जब उसे जोड़ते हैं तो गाँठ पड़ ही जाती है । उसी प्रकार प्रेम का धागा टूटने पर मन में खटास आ जाती है और संबंध पहले जैसे नहीं रह पाते ।

प्रश्न - 2. हमें अपना दुःख दूसरों पर क्यों नहीं प्रकट करना चाहिए? अपने मन की व्यथा दूसरों से कहने पर उनका व्यवहार कैसा हो जाता है ?

उत्तर :- हमें अपना दुःख दूसरों पर प्रकट नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे हम केवल दूसरों के उपहास के पात्र बनते हैं । हमें अपने दुःख को मन में ही छिपाकर रखना चाहिए क्योंकि उसे सुनकर लोग हमारा मजाक उड़ाएँगे, दुःख बाँटेंगे नहीं ।

प्रश्न -3. रहीम ने सागर की अपेक्षा पंक जल को धन्य क्यों कहा है?

उत्तर :- सागर पानी से भरा होने के बावजूद उसके जल को कोई भी नहीं पी पाता क्योंकि उसका स्वाद खारा होता है । इसके विपरीत पंक के जल को पीकर छोटे-छोटे जीव-जंतु की प्यास बुझ जाती है । वे तृप्त हो जाते हैं इसलिए रहीम ने सागर की अपेक्षा पंक जल को उसकी उपयोगिता के करण धन्य कहा है ।

प्रश्न - 4. एक को साधने से सब कैसे सध जाता है?

उत्तर :- कवि रहीम के अनुसार एक ही ईश्वर पर अटूट विश्वास रखने से सारे कार्य सिद्ध हो जाते हैं । जिस प्रकार जड़ को सींचने से हमें फल और फूलों की प्राप्ति हो जाती है उसी प्रकार एक ही ईश्वर को स्मरण करने से हमें सारे सुख प्राप्त हो जाते हैं ।

प्रश्न - 5. जलहीन कमल की रक्षा सूर्य भी क्यों नहीं कर पाता?

उत्तर : - यद्यपि सूर्य कमल का पोषण करता है परन्तु पानी नहीं होता तो कमल सूख जाता है क्योंकि कमल को पुष्पित होने के लिए जल की अधिक आवश्यकता होती है । अत : कमल की

संपत्ति जल है उसके न रहने पर सूर्य भी उसकी सहायता नहीं कर सकता है । उसी प्रकार मुसीबत के समय मनुष्य की निजी संपत्ति ही उसके काम आती है ।

प्रश्न - 6. अवध नरेश को चित्रकूट क्यों जाना पड़ा?

उत्तर :- अवध नरेश को चित्रकूट अपने वनवास के दिनों में जाना पड़ा । यहाँ कहने का तात्पर्य यह है कि संकट के समय सभी को ईश्वर की शरण में जाना पड़ता है ।

प्रश्न -7. 'नट 'किस कला में सिद्ध होने के कारण ऊपर चढ़ जाता है?

उत्तर : - 'नट 'कुंडली मारने की कला में सिद्ध होने के कारण ऊपर चढ़ जाता है ।

प्रश्न - 8. 'मोती, मानुष, चून 'के संदर्भ में पानी के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर :- मोती के संदर्भ में पानी का अर्थ उसकी चमक से है । पानी से ही मोती को चमक प्राप्त होती है । मनुष्य के संदर्भ में पानी का अर्थ उसके मान - सम्मान से है और आटे के संदर्भ में पानी का अर्थ है साधारण जल जो उसे गूंथने और खाने योग्य बनाता है । इस तरह तीनों का ही पानी के बिना महत्त्व कम हो जाता है । भाव यह है कि मोती में चमक न रहे तो वह व्यर्थ हो जाता है, मनुष्य का आत्म - सम्मान न रहे तो उसका जीवन बेकार है और यदि आटे में पानी ना हो तो वह खाने लायक नहीं होता । पानी के बिना ये तीनों ही उबर नहीं सकते हैं ।

प्रश्न - 9. आशय स्पष्ट कीजिए:

(I) दीरघ दोहा अरथ के, आखर थोरे आहिं ।

उत्तर : - इस पंक्ति का भाव यह है कि दोहे में अक्षर कम होने के बावजूद उसमें गूढ अर्थ छिपा रहता है । उनका गूढ़ अर्थ ही उनकी गागर में सागर भरने की प्रवृत्ति को स्पष्ट कर देता है । ठीक वैसे ही जैसे नट कुंडली को समेटकर कूदकर रस्सी पर चढ़ जाता है । कवि के कहने का तात्पर्य यह है कि हम जीवन में जो भी कार्य करें उसमें हमें सिद्धहस्त होना चाहिए ।

(II) जहाँ काम आवे सुई, कहा करे तरवारि ।

उत्तर :- इस पंक्ति का भाव यह है कि हर एक छोटी-बड़ी वस्तु का अपना-अपना महत्त्व होता है । जो काम सुई कर सकती है वह काम तलवार नहीं कर सकती है और जो काम तलवार कर सकती है वह कार्य सुई नहीं कर सकती अतः सबकी अपनी - अपनी उपयोगिता होती है और किसी की भी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए । बड़ों को देखकर हमें छोटों का तिरस्कार नहीं करना चाहिए ।